StudentBounty.com

नमूने के प्रश्न–पत्र की योजना 2011 – 2012

कक्षा – XII
विषय – हिन्दी साहित्य
अवधि – 3 घण्टे 15 मिनट

प्रश्न पत्र –
पूर्णांक – 80 अंक

1. उद्देश्य हेतु अंकभार –

क्र.स.	उद्देश्य	अंकभार	प्रतिशत
1.	ज्ञान	8	10.00
2.	अवबोध अर्थग्रहण	$31\frac{1}{2}$	39.37
3.	ज्ञानोपयोग/अभिव्यक्ति	$31\frac{1}{2}$	39.37
4.	कौशल/मौलिकता	9	11.25
		80	99.99+.01=100%

2. प्रश्नों के प्रकारवार अंकभार –

क्र. सं.	प्रश्नों का प्रकार	प्रश्नों की संख्या	अंक प्रति प्रश्न	कुल अंक और प्रतिशत	प्रश्नों का प्रतिशत	संभावित समय
1.	वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पात्मक	–	–	–	–	–
2.	अतिलघुत्तरात्मक	8	1	8 10%	25.80	16 मिनट
3.	लघुत्तरात्मक – I	16	2	32 40%	51.61	64 मिनट
4.	लघुत्तरात्मक – II	3	4	12 15%	09.67	24 मिनट
5.	निबंधात्मक	4	8,7,7,6	28 35%	12.90	66 मिनट
		31		100	99.98 +.02=100 %	170 मिनट
					प्रश्न–पत्र पठन	15 मिनट
					पुनरावलोकन	10 मिनट
					कुल योग	195 मिनट

3. विषय वस्तु का अंकभार –

क्र.स.	विषय वस्तु	अंकभार	प्रतिशत
1.	अपठिनत काव्यांश व अपठित गंद्याश	8+8=16	20
2.	निबंध	8	10
3.	कार्यालयी पत्र	4	5
4.	अभिव्यक्ति और माध्यम के आधार पर व्यावाहारिक लेखन	4	5
5.	रचनात्मक लेखन	4	5
6.	अंतरा–काव्यांश	15	18.75
7.	अंतरा–गद्यांश	15	18.75
.8.	अंतराल	14	17.50
	योग	80	100%

StudentBounty.com

प्रश्न–पत्र ब्ल्यू प्रिन्ट

2011–2012

कक्षा – **XII** विषय :– हिन्दी साहित्य पूर्णांक – 80

क्र. सं.	उद्देश्य इकाई / उप इकाई	ज्ञान					अवबोध					ज्ञानोपयोगी / अभिव्यक्ति					कौशल / मौलिकता				योग
		बहु. वि.	अति. लघु	लघु. SA1	लघु. SA2	निबं.	बहु. वि.	अति. लघु	लघु. SA1	लघु. SA2	निबं.	बहु. वि.	अति. लघु	लघु. SA1	लघु. SA2	निबं.	अति. लघु	लघु. SA1	लघु. SA2	निबं.	
1	अपठिनत काव्यांश व अपठित गंद्यांश		1(2)	2(1)				1(2)	$4\frac{1}{2}$(4)				2(-)	$4\frac{1}{2}$(-)				1(1)			16(10)
2	निबंध										3(-)					3(1)				2(-)	8(1)
3	कार्यालयी पत्र									2(1)					1(-)				1(-)		4(1)
4	अभिव्यक्ति और माध्यम के आधार पर व्यावहारिक लेखन		1(1)					3(3)													4(4)
5	रचनात्मक लेखन									2(1)					2(-)						4(1)
6.	अंतरा–काव्यांश								4(4)		3(1)			4(-)		2(-)				2(-)	15(5)
7.	अंतरा–गद्यांश			1(1)	2(1)				1(1)		3(1)			2(-)	2(-)	3(-)				1(-)	15(4)
8.	अंतराल			1(1)					3(3)		2(-)			4(-)		2(1)				2(-)	14(5)
		–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
	योग		2(3)	4(3)	2(1)			4(5)	$12\frac{1}{2}$ (12)	4(2)	11(2)		2(-)	$14\frac{1}{2}$(-)	5(-)	10(2)		1(1)	1(-)	7(-)	80(31)
	कुल योग	8(7)					$31\frac{1}{2}$(21)					$31\frac{1}{2}$(2)					9(1)				80(31)

विकल्पों की योजना :– प्र.सं. 3,4,7,10,11,12 एवं 13 में एकान्तिक आंतरिक विकल्प है।

नोटः– कोष्ठक में बाहर की संख्या अंकों की तथा भीतर प्रश्नों की द्योतक है।

विशेष नोट :– प्रश्न पत्र में क, ख, ग, घ, य खण्डों में मूल प्रश्नों की कुल संख्या 14 है, परन्तु उप विभाजन के आधार पर कुल 31 प्रश्न है।

हस्ताक्षर

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर

StudentBounty.com

नमूने का प्रश्न–पत्र

कक्षा–12

विषय–हिन्दी साहित्य

कुल पृष्ठ संख्या – 5 कुल प्रश्न संख्या – 14

अनुक्रमांक ☐☐☐☐☐☐

अवधि– 3 घण्टे 15 मिनट पूर्णांक 80 अंक

निर्देश :–

1. कृपया जांच कर लें कि इस प्रश्न–पत्र में मुद्रित पृष्ठ एवं प्रश्नों की संख्या सही है।
2. प्रश्न–पत्र वितरण के बाद 15 मिनट प्रश्न–पत्र पढ़ने व समझनें के निर्धारित है। यदि परीक्षार्थी समय से पूर्व प्रश्न–पत्र पढ़ लेता है तो वह प्रश्न–पत्र हल करना प्रारम्भ कर सकता है।
3. सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।
4. उत्तर यथासम्भव निर्धारित शब्द सीमा में ही सुपाठ्य लिखें।
5. जिन प्रश्नों में आंतरिक खण्ड है, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।

खण्ड 'अ'

1. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यान पूर्वक पढ़कर दिये गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (उत्तर सीमा 20 से 40 तक)

साथ दो बच्चें भी है, सदा हाथ फैलाए,
बाँए से वे मलते हुए पेट को चलते,
दाहिना दया–दृष्टि पाने की ओर बढ़ाए।
भूख से सूख ओठ जब जाते,
दाता भाग्य–विधाता से क्या पाते ?
घूँट आँसुओं के पीकर रह जाते,
चाट रहे जूँठी पत्तल वे सभी सड़क पर खड़े हुए,
और झपट लेने को उनसे कुत्ते भी है अड़े हुए।

(क) भिखारी के बच्चे हाथ क्यों फैला रहे है ? 1

(ख) बच्चों के ओठ सूखने का क्या कारण है ? 1

(ग) बच्चें आँसुओं का घूँट पीकर क्यों रह गए ? 2

(घ) अन्तिम दो पंक्तियों में कवि क्या कहना चाहता है ? 2

StudentBounty.com

(ङ.) पद्यांश में भारतीय समाज पर करारा प्रहार किया गया है, कैसे ?

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिये गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए – ([illegible] 20 से 40 तक)

सूना जंगल और स्थिर शान्त खड़े हुए सीधे वृक्ष। इसके बीच की सर्पीली पगडंडी से अकेले जा रहे है। कहीं कोई आवाज नही है। यदि कोई आवाज सुनाई भी देती है, तो वह सरसराती हुई हवा के स्वर चिड़ियों और उल्लू या घुग्घुओं के बोलने की आवाजें, और रह–रह कर आपके मन के भीतर से उठने वाली एक अनजानी आवाज, उस आवाज में दहशत भरी है। आप चलते–चलते अक्सर रूक जाते हैं और पीछे लौटकर देखने लगते है। कौन आ रहा है आपके पीछे ? कौन आपका पीछा कर रहा है ? जरूर किसी के पाँव आपके पीछे पड़े हैं, लेकिन फिर वे दिखाई क्यों नही देते ?

अक्सर अकेले आदमी को ऐसा भ्रम होता है। यह 'जंगलभ्रम' है। जिस तरह जंगलों में अपने आप दावाग्नि लगती है उसी तरह हर अकेले और अनजाने राही का जंगल–भ्रम के पाँव पीछा करते हैं। शायद इसलिए कि आदमी एक सामाजिक प्राणी है और अकेला रह नहीं सकता। व्यतीत हुए क्षण पग–ध्वनि बन कर उसे पीछे खींचना चाहते हैं – तुम कहां आ गये ? तुमने यह कोलाहल कैसे छोड़ दिया ? तुमने यह सामर्थ्य कहाँ से जुटाया कि तुम सारी भीड़–भाड़, तपे और परेशान चेहरे, अपने आप में खोए हुए मन, दूसरों के हवाले गिरवी शरीर और मशीनों की कृपा से जीते हुए अस्थि–पंजरों को छोड़कर यहाँ आ सके !

आदमी मूल रूप से जंगली और एकाकी है। ऐसे स्थानों पर आकर पागलों की तरह चिल्लाने का मन होता है। शरीर के कपड़े भार से लगते हैं, यही से बाहर जाकर तो आदमी ने इन मिथ्या–आडम्बरों को ओढ़ कर उद्घोषणा की थी कि वह एक सभ्यता को जन्म दे रहा है। उसकी जन्म दी हुई खोखली सभ्यता फिर उसे ही बिच्छू की तरह डंक मारने लगती हैं और समय तथा सुविधा मिलते ही वहाँ से भागने लगता है।

(क)	उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए ।	1
(ख)	लेखक के अनुसार 'जंगल–भ्रम' क्या है ?	1
(ग)	जंगल में आकर चिल्लाने का मन क्यों होता है ?	2
(घ)	व्यतीत हुए क्षण व्यक्ति को पीछे खींचना क्यो चाहते है ?	2
(ङ.)	मनुष्य द्वारा जन्म दी गई सभ्यता को खोखली सभ्यता क्यों कहा है ?	2

खण्ड 'ब'

3. किसी एक विषय पर लगभग 450 शब्दों में निबन्ध लिखिए – 8

(i) मेरा प्रिय साहित्यकार
(ii) जल संरक्षण– आज की आवश्यकता
(iii) शिक्षा का अधिकार
(iv) महँगाई और भ्रष्टाचार – देश हुआ है शर्मसार

4. अपने जिले के जिला शिक्षा अधिकारी, माध्यमिक शिक्षा की ओर से समस्त संस्थाप्रधान राजकीय माध्यमिक विद्यालय/राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय/राजकीय बालिका माध्यमिक विद्यालय के लिए एक परिपत्र लिखिए, जिसमें वर्ष 2011–2012 में निःशुल्क साईकिल वितरण की पात्र छात्राओं की सूची मांगी गई हो।

4

StudentBounty.com

अथवा

अपनी ग्राम पंचायत के सचिव की ओर से अपने जिला कलेक्टर को गाँव [illegible]मी बीमारियाँ यथा– मलेरिया, डेंगू एवं चिकनगुनिया के उपचारार्थ हेतु चिकित्सकों को [illegible] हेतु कार्यालयी–पत्र लिखिए।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 20–25 शब्दों में लिखें –

(क) इंटरनेट पत्रकारिता आजकल लोकप्रिय क्यों है ? 1

(ख) रेडियो समाचार की भाषा कैसी होनी चाहिए ? 1

(ग) फ्लैश या ब्रेकिंग न्यूज के बारे में लिखें । 1

(घ) विभिन्न समाचार माध्यमों के नाम लिखिए। 1

खण्ड 'स'

6. कहानी के प्रमुख तत्वों की जानकारी संक्षेप में दीजिए । (उत्तर सीमा लगभग 120 शब्द) 4

7. निम्नांकित पद्यावतरणों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– 7

मुझ भाग्यहीन की तू संबल,
युग वर्ष बाद जब हुई विकल,
दुख ही जीवन की कथा रही,
क्या कहूँ आज जो नहीं कही ।
हो इसी कर्म पर वज्रपात,
यदि धर्म रहे नत सदा साथ,
इस पथ पर मेरे कार्य सकल,
हों भ्रष्ट शीत के से शतदल।
कन्ये, गत कर्मों का अर्पण
कर, करता मैं तेरा तर्पण।

अथवा

जननी निरखति बान धनुहियाँ,
बार–बार उर नैननि लावत, प्रभुजी की ललित पनहियाँ।
कबहुँ प्रथम ज्यों जाइ जगावति, कहि प्रिय बचन सवारे।
''उठहु तात! बलि मातु बदन पर, अनुज सखा सब द्वारे।''
कबहुँ कहति यों ''बड़ी बार भई जाहु भूप पहँ, भैया।''
बंधु बोलि जेंइय जो भावै, गई निछावरि मैया।
कबहुँ समुझि वनगमन राम को, रहि चकि चित्रलिखी सी।
तुलसीदास वह समय कहे तें, लागति प्रीति सिखी सी।

StudentBounty.com

निम्नांकिंत प्रश्नों के उत्तर लगभग 40–50 शब्दों में लिखों –

8. (क) जायसी के 'बारहमासा' काव्य का भाव सौन्दर्य लिखिए। 2

(ख) 'सब जाति कटी दुख की दुपटी,
कपटी न रहें जहँ एक घटी'
पंक्ति का काव्य सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए । 2

निम्नांकिंत प्रश्नों के उत्तर लगभग 40–50 शब्दों में लिखों –

9. (क) 'अरुण यह मधुमय देश हमारा' कविता में भारत की विशेषताओं का चित्रण है। समझाइए। 2

(ख) 'यह दीप अकेला' कविता के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है ? 2

खण्ड 'द'

10. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – (उत्तर सीमा लगभग 120 शब्द) 7

कवि अपनी रुचि के अनुसार जब विश्व को परिवर्तित करता है तो यह भी बताता है कि विश्व से उसे असंतोष क्यों है, वह यह भी बताता है कि विश्व में उसे क्या रुचता है जिसे वह फलता फूलता देखना चाहता है। उसके चित्र के चमकीले रंग और पार्श्वभूमि की गहरी काली रेखाएँ – दोनों ही यथार्थ जीवन से उत्पन्न होते हैं। इसलिए प्रजापति–कवि गंभीर यथार्थवादी होता है, ऐसा यथार्थवादी जिसके पाँव वर्तमान की धरती पर हैं और आँखे भविष्य के क्षितिज पर लगी हैं। इसलिए मनुष्य साहित्य में अपने सुख दुःख की बात नहीं सुनता, वह उसमें आशा का स्वर भी सुनता है।

अथवा

जो समझता है कि वह दूसरों का उपकार कर रहा है वह अबोध है, जो समझता है कि दूसरे उसका अपकार कर रहे हैं वह भी बुद्धिहीन है ; कौन किसका उपकार करता है, कौन किसका अपकार कर रहा है ? मनुष्य जी रहा है, केवल जी रहा है; अपनी इच्छा से नहीं, इतिहास विधाता की योजना के अनुसार। किसी को उससे सुख मिल जाए बहुत अच्छी बात है; नहीं मिल सका, कोई बात नहीं परन्तु उसे अभिमान नहीं होना चाहिए। सुख पहुँचाने का अभिमान यदि गलत है तो दुख पहुँचानें का अभियान तो नितांत गलत है।

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए –
(उत्तर सीमा लगभग 50 शब्द) 2x2 = 4

(क) 'प्रेमधन की छाया स्मृति' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि लेखक का हिन्दी साहित्य के प्रति रुझान कैसे बढ़ा ?

(ख) बड़ी बहुरिया का संदेश संवदिया क्यों नहीं सुना पाया ?

(ग) 'दूसरा देवदास' कहानी में हर की पौढ़ी पर होने वाली गंगा आरती का वर्णन अपने शब्दों में लिखिए।

12. केशव दास या भीष्म साहनी का साहित्यिक परिचय दीजिए। 4
(लगभग 100 शब्द)

StudentBounty.com

खण्ड 'य'

13. निम्नलिखित 5 प्रश्नों में से 4 के उत्तर अन्तराल पुस्तक के आधार पर लगभग 40 ... में लिखें। 2x4 = 8

(क) मिठुआ के यह पूछने पर कि ''कोई सौ लाख बार आग लगा दें'', सूरदास ने क्या ... दिया और क्यों ? 1+1=2

(ख) 'सूरदास की झोपड़ी' प्रेमचन्द के किस उपन्यास का अंश है? प्रेमचन्द के प्रमुख उपन्यासों में किन्ही तीन का नाम लिखिए। $^1/_2+/_2+/_2+/_2=2$

(ग) 'आरोहण' कहानी के आधार पर पर्वतीय क्षेत्र की स्त्रियों की स्थिति के बारे में लिखिए।

(घ) 'बिस्कोहर की माटी' पाठ के आधार पर मानव एवं प्रकृति के संबंधो पर प्रकाश डालिए।

(ड.) गद्यपाठ 'अपना मालवा' किस प्रदेश से संबंधित है ? इसमें लेखक ने क्या बताने का प्रयास किया है ?

14. 'पहाड़ों में जीवन अत्यन्त कठिन होता है' आरोहण पाठ के आधार पर पहाड़ी लोगों के जीवन पर एक लघु निबन्ध लगभग 120 शब्दों में लिखिए । 6

StudentBounty.com

हिन्दी (साहित्य)
उत्तर तालिका
कक्षा–XII

प्र.सं. अंक

खण्ड अ
अपठित बोध

1. अपठित पद्यांश बोध
(क) भिखारी के बच्चे भीख माँगने को हाथ फैला रहे हैं। 1
(ख) भूख के कारण बच्चों के ओठ सूख रहे है। 1
(ग) जब दाता भाग्य विधाता से उन्हें कुछ भी भीख में नहीं मिला तो वे आँसुओं का घूँट पीकर रह गए। 2
(घ) भिखारी के दोनों बच्चे भूख मिटाने के लिए कुत्तों के साथ जूठे पत्तल चाट रहे है एवं उन जूँठी पत्तलों को कुत्ते भी झपटना चाहते है। 2
(ङ.) पद्यांश में आर्थिक विषमता का जीवंत चित्रण कर दर्शाया है कि गरीबों का परिवार कुत्तों के समान जीवन व्यतीत कर रहा है। मांगने पर भी भोजन नहीं मिल रहा है। 2

2. अपठित गद्यांश
(क) शीर्षक 1
प्रकृति एवं जीवन की निकटता, जंगल–भ्रम अथवा पहाड़ों की सैर आदि शीर्षक स्वीकार्य।
(ख) पहाड़ी जंगल यात्रा में यह आभास होना कि कोई हमारे पीछे आ रहा है लेकिन वास्तव में पीछे कोई नहीं होता, यही जंगल भ्रम है। 1
(ग) व्यक्ति अपने भीड़ भरे कृत्रिम जीवन को छोड़कर जंगलों में एकाकी स्थान पर पहुँचता है उसे अपने मूल जंगली व एकाकीपन के कारण आनंदातिरेक से चिल्लाने का मन होता है। 2
(घ) भीड़ भाड व कोलाहल पूर्ण जीवन की अभ्यस्तता व्यक्ति को जंगल भ्रम के बहाने पीछे खींचना चाहते है। 2
(ङ.) मनुष्य द्वारा दी गई भौतिक चकाचौंध एवं मिथ्याडंबरों के दुष्प्रभाव उसे पीड़ा देते है उसे आत्मिक शान्ति नहीं मिलती है। अतः इसे खोखली सभ्यता कहा है। 2

खण्ड ब

3. निबंध

भूमिका	1
विषय–वस्तु से सम्बद्धता एवं अभिव्यक्ति	4
भाषा की शुद्धता एवं स्वच्छता	$1^1/_2$
अभिव्यक्ति शैली	$1^1/_2$

StudentBounty.com

4. ## पत्र लेखन

परिपत्र

पत्र का प्रारूप $1^1/_2$
विषय वस्तु का प्रतिपादन $1^1/_2$
भाषा की शुद्धता 1

अथवा वाले दूसरे कार्यालयी पत्र का भी अंक विभाजन इसी प्रकार है।

5. (क) इंटरनेट पत्रकारिता के माध्यम से हर घंटे दो घंटे में नए–नए समाचार इंटरनेट पर पढ़ने को मिल जाते है। 1
(ख) सरल शब्दों का प्रयोग, मुख्य समाचार पहले फिर घटते महत्त्व क्रम में अन्य तथ्य व सूचनाओं संबंधी उत्तर स्वीकार्य। 1
(ग) टी.वी. खबरों में सबसे पहले बड़ी खबर फ्लैश या ब्रेकिंग न्यूज के रूप में दर्शकों तक कम से कम शब्दों में पहुँचाई जाती है। 1
(घ) रेडियो, टी.वी., समाचार पत्र, इंटरनेट आदि उत्तर स्वीकार्य। 1

6. कहानी के तत्व 4
कथानक, पात्र व चरित्र चित्रण, कथोपकथन, भाषा शैली, देश काल वातावरण एवं उद्देश्य के बारे में बताया गया हो।

खण्ड द

7. सप्रसंग व्याख्या – काव्य
कवि – सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला 1
पाठ का नाम– सरोज स्मृति पुत्री के असामयिक निधन पर रचित शोक गीत 1
भावाभिव्यक्तिपूर्ण व्याख्या 4

विशेष – काव्य विवेचन 1

अथवा

कवि – तुलसीदास 1
पाठ का नाम – गीतावली से अवतरित पद राम के वनगमन के पश्चात् राम की वस्तुओं को देखकर माँ कौशल्या स्मरण करती है। 1
इसी प्रकार के भाव संबंधी व्याख्या 4

विशेष – काव्य विवेचन 1

8. (क) नागमती का विरह वर्णन भारतीय संस्कृति के सभी महीनों के नाम एवं ऋतुओं के अनुसार विरह वर्णन संबंधी उत्तर स्वीकार्य। 2
(ख) 'सगण' की आवृत्ति से सवैया छन्द, अनुप्रास, तत्सम शब्दावली एवं ध्वन्यात्मकता आदि उत्तर स्वीकार्य। 2

StudentBounty.com

9. (क) हमारा भारत देश सबको सहारा देने वाला है। सरस प्रकृति चित्रण, [illegible]कम् की भावना, प्रातः कालीन सुन्दरता आदि से संबंधित उत्तर स्वीकार्य।
(ख) व्यष्टि का समष्टि में विलय से संबंधित उत्तर स्वीकार्य।

खण्ड द

10. गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या
लेखक – राम विलास शर्मा 1
पाठ का नाम – यथास्मै रोचते विश्वम् 1
व्याख्येय बिन्दुओं का स्पष्टीकरण 4
भाषा शैलीगत विशेषताएँ 1

अथवा

लेखक – हजारी प्रसाद द्विवेदी 1
पाठ का नाम – कुटज 1
व्याख्येय बिन्दुओं का स्पष्टीकरण 4
भाषा शैलीगत विशेषताएँ 1

11. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर स्वीकार्य। 2x2 = 4
(क) प्रकृति के समीप लताओ ंके मध्य भारतेन्दु का प्रथम दर्शन, भारत जीवन प्रेस की पुस्तक पठन तथा विभिन्न साहित्यकारों से सम्पर्क – संबंधी उत्तर स्वीकार्य।
(ख) संवदिया बड़ी हवेली की इज्जत कम नहीं करना चाहता था, बड़ी बहुरिया के कष्टों को सुनाकर उसके मायके वालों को दुखी नहीं करना चाहता था, आदि उत्तर स्वीकार्य।
(ग) सहस्र दीपों की जगमगाहट, समवेत स्वरों में आरती, गंगा में दीप विसर्जन, आदि उत्तर स्वीकार्य।

12. कवि / लेखक का साहित्यिक परिचय 4
संबंधित कवि / लेखक का जन्म स्थान, समय, कृतियाँ संबंधी उत्तर स्वीकार्य।

खण्ड य

13. किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर स्वीकार्य। 2x4 = 8
(क) सूरदास ने उत्तर दिया कि कोई सौ लाख बार आग लगाए तो हम भी उतनी ही बार नई झोपड़ी बनाएगें। पुनर्निर्माण में विश्वास का उत्तर स्वीकार्य।
(ख) ' सूरदास की झोपड़ी ' प्रेमचन्द के उपन्यास रंगभूमि का अंश है। प्रेमचन्द के अन्य प्रमुख उपन्यास गोदान, गवन, निर्मला, रंगभूमि आदि उत्तर स्वीकार्य।
(ग) पर्वतीय क्षेत्र की स्त्रियां मेहनत कश, आत्मविश्वासी और सरल स्वभाव की बताई गई है।
(घ) गाँव के प्राकृतिक सौन्दर्य, जीवन शैली, लोक कथाएं, लोकमान्यताएँ, प्राकृतिक सम्पदा आदि से व्यक्ति का संबंध बताते हुए उत्तर स्वीकार्य।
(ड.) ' अपना मालवा ' मध्यप्रदेश से संबंधित है। मालव प्रदेश की मिट्टी, वर्षा, नदियों की स्थिति, उद्गम एवं विस्तार, जन जीवन एवं संस्कृति के चित्रण संबंधी उत्तर स्वीकार्य।

14. भाषा शैली एवं लेखन में शुद्धता 1
पहाडी लोगों के कठिन एवं मेहनतकश जीवन को मुस्कराकर स्वीकार करने संबंधी उत्तर स्वीकार्य। 3